

FA 2 कक्षा -9- 06-OCTOBER- 2026

9

खंड क : (15 x 1 = 15)

1. B
2. C
3. A
4. C
5. C
6. B
7. C
8. B
9. B
10. B
11. B
12. C
13. B
14. B
15. B

खंड ख : (2 x 2 = 4)

- 16). 1. बच्चे उद्यान में खेल रहे हैं।
2. बच्चे फिसलपट्टी पर खेल रहे हैं।
3. दो बच्चे फुटबॉल खेल रहे हैं।
- 17). धैर्य × अधैर्य
हमें कठिन परिस्थितियों में धैर्य से काम लेना चाहिए।

खंड ग : (2 x 4 = 8)

18. ज. यह प्रश्न “तारे जमीन पर” पाठ से दिया गया है। बच्चों के जीवन में पाठशाला की प्रमुख भूमिका होनी चाहिए। क्योंकि बच्चे ओस की बूंद की तरह शुद्ध और पवित्र होते थे। हर बच्चे में कोई न कोई प्रतिभा छिपी रहती थी। इसे बाहर लाकर उसकी सर्वांगीण विकास करना ही पाठशाला की प्रमुख भूमिका है।

19. यह प्रश्न “फुटबॉल” नामक संस्मरण पाठ से दिया गया है। खेल हमारे जीवन का एक अनोखा अंग है। खेलों से मनोरंजन मिलता है। मानसिक व शारीरिक विकास भी होता है। खेलों से अनुशासन व नियमों का

पालन करने की प्रेरणा भी मिलती है। खेल में खेल भावना के साथ-साथ सहयोग, सहनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन आदि गुणों का विकास होता है।

खंड घ : (1 × 8 = 8)

20. A) ज. परिचय:- यह प्रश्न “प्रकृति की सीख” कविता पाठ से दिया गया है।

Hamari-hindi.com

विधा : कविता
कवि का नाम : श्री सोहनलाल द्विवेदी जी
जीवनकाल : 1906-1988
रचनाएँ : सेवाग्राम
पुरस्कार : पद्मश्री

विश्लेषण :

- कवि कहते हैं कि प्रकृति के कण-कण में कोई-न-कोई शिक्षा छिपी हुई है। यदि हम प्रकृति के संदेशों को समझें, तो जीवन में सफल और महान बन सकते हैं।
- पर्वत हमें ऊँचा लक्ष्य रखने तथा गौरवपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा देता है।
- सागर हमें मन में गहराई, गंभीरता और विशालता लाने का संदेश देता है।
- सागर की लहरें हमें जीवन में आशा, उत्साह और निरंतर प्रयास करते रहने की सीख देती हैं।
- धरती हमें धैर्य, सहनशीलता और परिश्रमपूर्वक कार्य करने की प्रेरणा देती है।
- आकाश हमें उदार, व्यापक और महान विचार रखने का संदेश देता है।

विशेषता : यह कविता हमें प्रकृति से सीख लेने की प्रेरणा देती है। इसमें पर्वत, सागर, धरती और आकाश के माध्यम से अच्छे गुणों का संदेश दिया गया है। कविता की भाषा सरल और सुंदर है। यह कविता हमें अच्छा इंसान बनने तथा जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

(अथवा)

B) ज) यह प्रश्न ‘फुटबॉल’ पाठ से दिया गया है। खेल हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग है। खेलों से हमें मनोरंजन मिलता है और हमारा शारीरिक तथा मानसिक विकास होता है। खेल खेलने से शरीर स्वस्थ और मन प्रसन्न रहता है। खेलों से मानसिक थकान दूर होती है तथा हमें अनुशासन, धैर्य, सहनशीलता, सहयोग और नेतृत्व जैसे गुण सीखने को मिलते हैं। खेल हमें नियमों का पालन करना और हार-जीत को समान भावना से स्वीकार करना सिखाते हैं। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भाग लेना हमारे सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है।

प्रधानाध्यापक के हस्ताक्षर

हिंदी अध्यापक/अध्यापिका के हस्ताक्षर